भारत में म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी देयताओं और आस्तियों का सर्वेक्षण (2009-2011)*

इस लेख में विदेशी देयताओं और आस्तियों के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मार्च 2009 से मार्च 2011को संदर्भ अवधि मानते हुए किए गए सर्वेक्षण के आधार पर भारत में म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी देयताओं और आस्तियों की समीक्षा प्रस्तुत की गई है। इसके परिणामें में 44 म्यूचुअल फंड कंपनियों से प्राप्त प्रतिक्रियाएं शामिल हैं, जिन्होंने विदेशी देयताओं और आस्तियों की शुरूआत की/अधिगृहीत किया और पूरे सर्वेक्षण की अवधि के दौरान 38 कंपनियां -दोनों सर्वेक्षणों में शामिल थीं। म्युचुअल फंड कंपनियों की विदेशी आस्तियों और विदेशी देयताओं में आए परिवर्तन का विस्तृत विश्लेषण किया गया है और उनका देश-वार वर्गीकरण भी किया गया है। यह देखा गया कि म्यूचुअल फंडों के देश के बाहर के पोर्टफोलियो में इस अवधि के दौरान काफ़ी उतार-चढ़ाव हुआ, जो कि वैश्विक वित्तीय संकट के अनुरूप था। यह भी देखा गया कि मार्च 2011 में म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी देयताएं उनकी विदेशी आस्तियों से पांच गुना अधिक थीं जिसका मुख्य कारण इक्विटी प्रतिभूतियों में निवेश था।

खंड I

प्रस्तावना

भारतीय रिज़र्व बैंक भारत स्थित कंपनियों की सीमापार देयताओं और आस्तियों के संबंध में नियमित रूप से जानकारी एकत्र करता है। इस जानकारी का उपयोग भारत की भुगतान संतुलन सांख्यिकी, अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति, समन्वित प्रत्यक्ष निवेश सर्वेक्षण और समन्वित पोर्टफोलियो निवेश सर्वेक्षण के संबंध में इनपुट के रूप में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार किया जाता है। कॉर्पोरेशनों की विदेशी देयताएं और आस्तियां विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, पोर्टफोलियो निवेश, अन्य निवेश जिसमें व्यापार शाख और ऋण आदि शामिल हैं, के कारण उत्पन्न होती हैं। विदेशी देयताओं एवं देयताओं की पहली गणना भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा की गई थी जिसमें जून 1948 के अंत को संदर्भ अवधि माना गया था। 1997 से मार्च 2011में गणना आधारित रिपोर्टिंग के प्रारंभ होने तक विदेशी देयताओं और आस्तियों की जानकारी वार्षिक सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्र की जाती रही है। इन ब्यौरों से अर्थव्यवस्था में नकदी प्रवाह की अप्रत्यासित परेशानियों को सहन करने की सीमाओं का भी पता चलता है और अर्थव्यवस्था पर अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के विश्वास के स्तर का भी पता चलता है।

इस लेख में मार्च 2009 से मार्च 2011 की संदर्भ अवधि के लिए म्यूचुअल फंड कंपनियों एवं आस्ति प्रबंध कंपनियों के म्यूचुअल फंड से सहबद्ध विदेशी देयताओं और आस्तियों के आंकड़ों के महत्वपूर्ण बिंदुओं को प्रस्तुत किया गया है। खंड II और III में क्रमशः म्यूचुअल फंड कंपनियों और आस्ति प्रबंध कंपनियों की विदेशी देयताओं और आस्तियों पर प्रकाश डाला गया है। खंड IV में आस्ति प्रबंध कंपनियों की पुनर्निवेश से प्राप्त आय का उल्लेख है और उपसंहार खंड V में प्रस्तुत किया गया है।

संभावना और कवरेज

विदेशी देयताओं और आस्तियों से संबंधित जिस सूचना का विश्लेषण यहां किया गया है वह विदेशी देयताओं और आस्तियों के संबंध में किए गए सर्वेक्षण की अनुसूची I (आस्ति प्रबंध कंपनियों की बाह्य देयताओं और आस्तियों के स्टॉक के संबंध में सूचना के लिए) और अनुसूची 4 (अनिवासियों को जारी म्यूचुअल फंड कंपनियों की यूनिटों, अप्रदत्त लाभांश, अनिवासियों को जारी यूनिटों का मोचन और म्यूचुअल फंड कंपनियों के विदेशी निवेश के संबंध में जानकारी के लिए) के तहत एकत्र की गई है। दोनों ही अनुसूचियों के प्रारूप अनुबंध I में दिए गए हैं। कवरेज के संबंध में देखा जाए तो मार्च 2009 के लिए 38 म्यूचुअल फंड कंपनियों ने रिपोर्ट किया जो मार्च 2011 तक बढ़ कर 44 हो गईं और 38 कंपनियां तीनों सालों के सर्वेक्षण में शामिल थीं। चूंकि मार्च 2011 के सर्वेक्षण फ्रेम में शामिल सभी 44 म्यूचुअल फंड कंपनियों (सूची अनुबंध II में दी गई है) ने प्रतिक्रिया दी, यह एक पूर्ण विवरण है।

म्यूचुअल फंड क्षेत्र की गतिविधियां

म्यूचुअल फंड व्यावसायिक रूप से प्रबंध की जाने वाली सामूहिक निवेश की योजना है जिसमें कई निवेशकों के पैसे लगे होते हैं और इसका निवेश कई लिखतों में जैसे कि स्टॉकों, बांडों, अल्पकालिक मुद्रा बाजार लिखतों, अन्य म्यूचुअल फंडों, अन्य प्रतिभूतियों और/अथवा पण्यों जैसे मूल्यवान धातुओं इत्यादि में किया जाता है। निवेशकों को उनके निवेश के अनुपात के अनुसार यूनिटें आबंटित की जाती हैं। म्यूचुअल फंड कंपनियां लिखतों का लेन-देन (खरीदना-बेचना) अपने

* सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के बाह्य देयता एवं आस्ति प्रभाग में तैयार किया गया। 2006-2009 की संदर्भ अवधि के लिए इस श्रृंखला का पिछला अध्ययन भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन के मई 2011 अंक में प्रकाशित किया गया था।

निवेश लक्ष्यों के अनुसार करती हैं और निवेशों के माध्यम से होने वाली आय और पूंजी में हुई वृद्धि इसके शेयरधारकों को उनके द्वारा धारित यूनिटों के अनुपात में बांट दी जाती हैं।

भारत में म्यूचुअल फंड कंपनियां सरकारी और कार्पोरेट प्रतिभूति बाजार -दोनों ही के निवेश का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं। भारत में म्यूचुअल फंड कंपनियों की शुरूआत 1963 में हुई जब यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया ने म्यूचुअल फंड जारी करना प्रारंभ किया। कालांतर में बाजार में कई कंपनियां आई जिनमें निजी और विदेशी कंपनियां शामिल हैं। बैंकों ने भी म्यूचुअल फंड स्थापित किए हैं। वित्तीय क्षेत्र में अधिक खुलापन लाने की दृष्टि से विदेशी निधि प्रबंधन कंपनियों (इनमें से अधिकांश कंपनियां भारतीय प्रवर्तकों के साथ संयुक्त रूप से आ रही हैं) सहित निजी क्षेत्र की निधि कंपनियों को म्यूचुअल फंड उद्योग में आने की अनुमति 1993 में दी गई थी। सभी म्यूचुअल फंड कंपनियों से यह अपेक्षित है कि वे भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882 के अंतर्गत ट्रस्ट के रूप में स्थापित हों और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) उनके कार्यों को नियंत्रित करता है। मुद्रा बाजार के लिखतों का लेन-देन करने वाली म्यूचुअल फंड कंपनियों से यह अपेक्षित है कि वे भारतीय रिज़र्व बैंक में पंजीकृत हों।

म्यूचुअल फंड की वास्तविक निधि प्रबंध गतिविधि सामान्यतः एक पृथक आस्ति प्रबंध कंपनी द्वारा की जाती है। वर्तमान में भारतीय आस्ति प्रबंध कंपनियाँ, जिन्होंने विदेशों में ऑफ-शोर फंड की शुरूआत की, को ऐसी योजनाओं के लिए सेबी की अनुमति लेनी पड़ती है। आस्ति प्रबंध कंपनी या इसकी सहायक कंपनी की न्यूनतम निवल मालियत 50 मिलियन रुपये होनी चाहिए ताकि वह किसी अन्य फंड के प्रबंधक के रूप में कार्य कर सके।

खंड - II

म्यूचुअल फंड कंपनियां : विदेशी देयताएं और आस्तियां

भारत में म्यूअुअल फंड कंपनियों को अनिवासियों को विभिन्न योजनाओं की यूनिटें जारी करने की अनुमति दी गई है, जो उनकी विदेशी देयताएं होती हैं। म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी देयताओं के दो प्रमुख घटक होते हैं : (i) अनिवासियों को यूनिटें जारी करना जिन्हें अंकित मूल्य और बाजार मूल्य के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है, और (ii) अनिवासियों को अप्रदत्त आय/लाभांभ से उत्पन्न होने वाली अन्य विदेशी देयताएं, ऐसे बिक्री आगम जिनका प्रत्यावर्तन अभी शेष है इत्यादि। विदेशों में म्यूचुअल फंड यूनिटों में निवेश और विदेशी इक्विटी और ऋण लिखतों में निवेश के अतिरिक्त म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी आस्तियों में विदेशों में रखी जमा राशियां, विदेशों से प्राप्त होने वाले लाभांश इत्यादि शामिल हैं जिन्हें सर्वेक्षण अनुसूची में 'अन्य विदेशी आस्तियों' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी आस्तियाँ मार्च 2009 में ₹40.6 बिलियन थीं। इसमें तेजी से वृद्धि हुई और मार्च 2010 में बढ़कर ₹55.4 बिलियन हो गईं, जिसका मुख्य कारण इस अवधि के दौरान उनके विदेशी निवेश के समग्र उच्चतम अंक में वृद्धि रही। म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी देयताओं की तुलना में विदेशी आस्तियों के अनुपात वृद्धि हुई और यह मार्च 2010 में बढ़कर 27.2

चार्ट 1 : मार्च के अंत में म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी आस्तियां और देयताएं

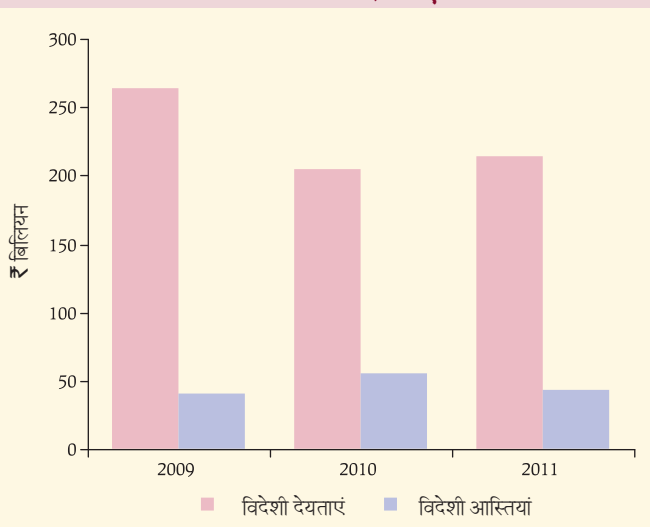

सारणी 1 : म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी देयताएं और आस्तियां

(₹ मिलियन)

श्रेणी	मार्च के अंत में			परिवर्तन			
				राशि		प्रतिशत	
	2009	2010	2011	2009-10	2010-11	2009-10	2010-11
1	2	3	4	5	6	7	8
विदेशी देयताएं *	263,465	203,908	213,883	-59,557	9,975	-22.6	4.9
विदेशी आस्तियां	40,588	55,419	42,904	14,831	-12,516	36.5	-22.6

* अंकित मूल्य के आधार पर

सारणी 2 : म्यूचुअल फंड कंपनियों की अनिवासी धारिता

(₹ मिलियन)

अनिवासी धारिता	मार्च के अंत में			परिवर्तन			
				राशि		प्रतिशत	
	2009	2010	2011	2009-10	2010-11	2009-10	2010-11
1	2	3	4	5	6	7	8
यूनिटों के अंकित मूल्य	263,135	202,894	213,125	-60,242	10,231	-22.9	5.0
यूनिटों के बाजार मूल्य	311,135	361,626	405,212	50,490	43,586	16.2	12.1
अन्य विदेशी देयताएं	329	1,014	757	684	-256	207.8	-25.3

प्रतिशत हो गया, जबकि मार्च 2009 में यह 15.4 प्रतिशत था। इसका कारण 2009-10 के दौरान अनिवासियों को अपेक्षाकृत कम यूनिटें आबंटित करना था (सारणी 1)।इक्विटी प्रतिभूतियों में 2009-10 की तुलना में कम निवेश के कारण इस अनुपात में मार्च 2011 तक 20.1 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी हुई। मार्च 2011 में आस्तियां भी 22.6 प्रतिशत घटकर ₹42.9 बिलियन हो गईं जो वैश्विक आर्थिक मंदी, विशेष रूप से शेयर बाजार का कारोबार घटने के प्रभाव की झलक मिलती है। दूसरी तरफ, म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी देयताओं ('अनिवासियों को आबंटित यूनिटों' और 'अन्य विदेशी देयताएं' का जोड़) में कमी हुई जो मार्च 2009 में ₹263.5 बिलियन थीं और मार्च 2010 के अंत में घटकर ₹203.9 बिलियन हो गईं परंतु उसके बाद इसमें वृद्धि हुई और मार्च 2011 में बढ़कर ₹213.9 बिलियन हो गई। चार्ट 1 में संदर्भ अवधि के दौरान विदेशी देयताओं एवं आस्तियों की प्रवृत्तियों को दर्शाया गया है।

अनिवासी धारिता

म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी देयताओं का प्रमुख हिस्सा (मार्च 2011 में 99.6 प्रतिशत) अनिवासियों को आबंटित यूनिटों से निर्मित है। अंकित मूल्य पर आधारित देयताएं मार्च 2011 में बढ़कर ₹213.1 बिलियन होने से पहले मार्च 2009 के ₹263.1 बिलियन से घटकर मार्च 2010 में ₹202.9 बिलियन हो गई थीं, जबकि बाजार मूल्य पर आधारित देयताएं मार्च 2009 के ₹311.1 बिलियन से बढ़कर मार्च 2010 में ₹361.6 बिलियन और उसके बाद मार्च 2011 में ₹405.2 बिलियन हो गईं (सारणी 2)। बाजार मूल्यों के आधार पर उच्च वृद्धि का श्रेय आंशिक रूप से 2008-09 की गिरावट के बाद शेयर बाजार के सुधार को जाता है।

अनिवासियों को जारी यूनिटों का देश-वार वितरण

(i) अंकित मूल्य के आधार पर : अनिवासियों को आबंटित यूनिटों के अंकित मूल्य के आधार पर म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी देयताओं का देश-वार वितरण दर्शाता है कि कुल विदेशी देयताओं में से संयुक्त अरब अमीरात का हिस्सा मार्च 2010 में 15.0 प्रतिशत से घटकर 13.3 प्रतिशत हो गया और उसके बाद मार्च 2011 में बढ़कर 14.5 प्रतिशत हो गया (सारणी 3)। अमरीका का हिस्सा मार्च 2009 में 2.2 प्रतिशत था जो मार्च 2011 तक बढ़कर 6.5 प्रतिशत हो गया। तथापि हांगकांग का हिस्सा, जो मार्च 2009 के 1.6 प्रतिशत से तेजी से बढ़कर मार्च 2010 में 9.7 प्रतिशत हो हुआ, में मार्च 2011 तक घटकर 1.9 प्रतिशत रहा। मार्च 2011 में यूके और सिंगापुर की विदेशी देयताएं भी अधिक थीं जो क्रमशः 4.2 प्रतिशत और 2.7 प्रतिशत थीं। 'अन्य' की श्रेणी में वे प्रतिक्रियाएं शामिल हैं जिनमें देश के विवरण या तो नहीं दिए गए थे अथवा उनका योगदान काफी कम था अथवा अप्रवासी निवेश के मामलों में भारतीय पते दिए गए थे। म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी

सारणी 3 : अंकित मूल्य पर म्यूचुअल फंड कंपनियों की देश-वार विदेशी देयताए

(प्रतिशत)

देश	मार्च के अंत में		
	2009	2010	2011
1	2	3	4
संयुक्त अरब अमीरात	15.0	13.3	14.5
अमरीका	2.2	5.5	6.5
यूनाइटेड किंगडम	1.5	3.5	4.2
सिंगापुर	1.1	1.4	2.7
हांगकांग	1.6	9.7	1.9
कनाडा	0.5	0.8	1.3
ओमान	0.4	0.9	1.2
मॉरिशस	1.0	1.0	1.0
आस्ट्रेलिया	0.1	0.3	0.9
बहरीन	0.1	0.4	0.6
अन्य *	76.4	63.1	65.3
कुल #	**100.0**	**100.0**	**100.0**

* इसमें वे मामले शामिल हैं जिनके देश के बारे में नहीं बताया गया था अथवा भारत का पता दिया गया था अथवा देश-वार योगदान बहुत कम था।
\# हो सकता है कि पूर्णांकन के कारण घटकों का जोड़ कुल जोड़ के बराबर न हो।
ये पाद टिप्पणियां शेष सारणियों के लिए भी प्रयोज्य हैं।

सारणी 4 : बाजार मूल्य पर म्यूचुअल फंड कंपनियों की देश-वार देयताएं

(प्रतिशत)

देश	मार्च के अंत में		
	2009	2010	2011
1	2	3	4
संयुक्त अरब अमीरात	13.5	11.7	12.0
अमरीका	2.2	5.7	7.1
कनाडा	3.4	5.5	5.6
यूनाइटेड किंगडम	1.6	3.3	3.8
हांगकांग	1.4	7.6	3.4
मॉरिशस	1.9	3.1	2.3
सिंगापुर	1.0	1.3	2.3
ओमान	0.4	0.9	1.1
आस्ट्रेलिया	0.1	0.3	0.7
बहरीन	0.1	0.4	0.6
अन्य *	74.3	60.2	61.1
कुल #	**100.0**	**100.0**	**100.0**

देयताओं में 'अन्य' का हिस्सा 65.3 प्रतिशत के उच्च स्तर तक रहा।

(ii) बाजार मूल्य के आधार पर : अनिवासियों को आबंटित यूनिटों के कारण विदेशी देयताओं का देश-वार वर्गीकरण दर्शाता है कि बाजार कीमतों के अनुसार भी, सर्वेक्षण अवधि के दौरान विदेशी देयताओं में संयुक्त अरब अमीरात का हिस्सा प्रमुख (मार्च 2011 में 12.0 प्रतिशत) था जबकि अमरीका का हिस्सा मार्च 2009 के 2.2 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2011 में 7.1 प्रतिशत हो गया। इनके बाद कनाडा (मार्च 2011 में 5.6 प्रतिशत) और यूके (मार्च 2011 में 3.8 प्रतिशत) का स्थान रहा। 2009-10 के दौरान हांगकांग का हिस्सा 1.4 प्रतिशत से तेजी से बढ़कर 7.6 प्रतिशत हो गया किंतु बाद में इसमें कमी हुई और मार्च 2011 तक यह 3.4 प्रतिशत रह गया। कुल विदेशी देयताओं में अन्य श्रेणी (जिसका कवरेज अंकित मूल्य पर आधारित देयताओं के समान है) का हिस्सा लगभग 61.4 प्रतिशत था (सारणी 4)।

विदेशी निवेश

म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी आस्तियों को इक्विटी सिक्यूरिटियों, ऋण सिक्यूरिटों और अन्य विदेशी आस्तियों में निवेश के आकारानुसार वर्गीकृत किया गया है। म्यूचुअल फंड कंपनियों की 99 प्रतिशत से अधिक विदेशी आस्तियाँ इक्विटी निवेश में धारित थीं जिनमें मार्च 2011 में घटकर ₹42.7 बिलियन होने से पहले मार्च 2009 के ₹40.4 बिलियन से तेजी वृद्धि हुई और मार्च 2010 में ₹55.4 बिलियन हो गईं (सारणी 5)। किसी म्यूचुअल फंड कंपनी से विदेशी कर्ज लिखतों में निवेश की सूचना नहीं मिली हैं।

विदेशी पोर्टफोलियो आस्तियों का देश-वार वितरण

म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी पोर्टफोलियो आस्तियों के देश-वार वर्गीकरण से पता चलता है कि संदर्भ अवधि के दौरान विदेशी आस्तियों में लक्जमबर्ग का हिस्सा प्रमुख था। लक्जमबर्ग में विदेशी आस्तियों का हिस्सा 2009-10 के दौरान 57.0 प्रतिशत से घटकर 46.2 प्रतिशत हो गया। मार्च 2011 तक यह 49.6 प्रतिशत हो गया। इसके बाद अमरीका (18.8 प्रतिशत) और हांगकांग (6.8 प्रतिशत) का स्थान रहा। जापान के प्रति विदेशी आस्तियों का हिस्सा मार्च 2009 और मार्च 2011 के शून्य स्तर से तेजी से बढ़कर मार्च 2011 तक 3.2 हो गया। 'अन्य' की श्रेणी (जिसका वही अर्थ है जैसा कि अंकित मूल्य पर आधारित देयताओं के संबंध में है) का कुल विदेशी देनदारियों में लगभग 8.1 प्रतिशत रहा (सारणी 6)।

खंड - III

आस्ति प्रबंधन कंपनियां - विदेशी देयताएं और आस्तियां

आस्ति प्रबंधन से तात्पर्य है निवेशों का व्यावसायिक प्रबंधन जिसके अंतर्गत आस्तियों (स्टॉक्स, बांड्स, स्वर्ण, स्थावर संपदा) का अर्जन, उनका उपयोग और निपटान तथा आस्तियों से संबंधित लागतों और जोखिमों का प्रबंध, ताकि आस्तियों से मिलने वाले प्रतिफलों को बढ़ाया जा सके और आस्तियों की क्षमता का उसके पूरे समय काल

सारणी 5 : म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी आस्तियां

(₹ मिलियन)

अनिवासी धारिता	मार्च के अंत में			अंतर			
				राशि		प्रतिशत	
	2009	2010	2011	2009-10	2010-11	2009-10	2010-11
1	2	3	4	5	6	7	8
इक्विटी प्रतिभूतियां	40,383	55,365	42,739	14,982	-12,626	37.1	-22.8
ऋण प्रतिभूतियां	0	0	0	0	0	0	0
अन्य विदेशी आस्तियां	205	54	165	-151	110	-73.6	203.2

सारणी 6 : विदेशों में धारित म्यूचुअल फंड कंपनियों की पोर्टफोलियो आस्तियां

(₹ मिलियन)

देश	मार्च के अंत में			अंतर			
				राशि		प्रतिशत	
	2009	2010	2011	2009-10	2010-11	2009-10	2010-11
1	2	3	4	5	6	7	8
लक्जमबर्ग	23,017 (57.0)	25,602 (46.2)	21,206 (49.6)	2,585	-4,396	11.2	-17.2
अमरीका	5,018 (12.4)	11,818 (21.3)	8,030 (18.8)	6,800	-3,787	135.5	-32.0
हांगकांग	2,483 (6.1)	3,430 (6.2)	2,910 (6.8)	947	-520	38.1	-15.2
स्विटजरलैंड	3,114 (7.7)	2,042 (3.7)	1,992 (4.7)	-1,072	-50	-34.4	-2.4
दक्षिण कोरिया	1,083 (2.7)	1,463 (2.6)	1,454 (3.4)	380	-10	35.1	-0.7
जापान	0 (0)	2 (0)	1,378 (3.2)	2	1,376	504.8	**
यूनाइटेड किंगडम	167 (0.4)	2,660 (4.8)	918 (2.1)	2,494	-1,742	1,496.0	-65.5
आस्ट्रेलिया	191 (0.5)	528 (1.0)	811 (1.9)	336	283	175.7	53.6
ताइवान	665 (1.6)	883 (1.6)	572 (1.3)	218	-311	32.9	-35.2
अन्य *	4,645 (11.5)	6,938 (13.0)	3,468 (8.1)	2,293	-3,470	49.4	-50.0
कुल #	**40,383**	**55,365**	**42,739**	**14,982**	**-12,626**	**37.1**	**-22.8**

** शून्य या नगण्य हर।

कोष्ठकों के आंकड़े कुल का प्रतिशत हिस्सा हैं।

चार्ट 2 : मार्च के अंत में आस्ति प्रबंध कंपनियों की विदेशी देयताएं और आस्तियां

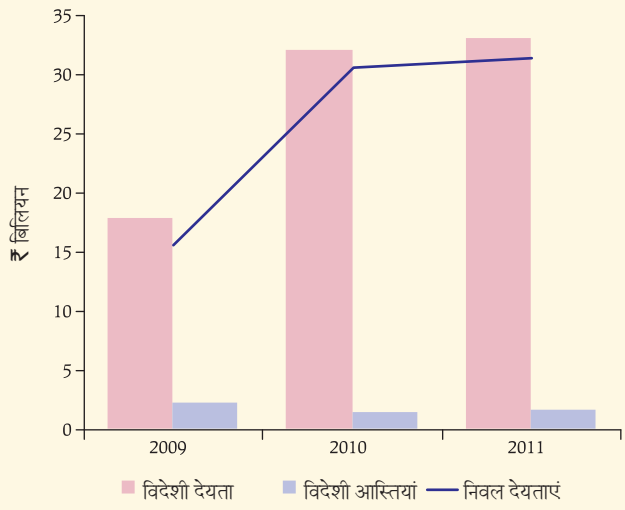

तक अधिकतम उपयोग किया जा सके। आस्ति प्रबंध कंपनी एक फर्म होती है जो खुदरा निवोशकों की निधियों का निवेश उल्लिखित निवेश लक्ष्यों के अनुसरण में विभिन्न आस्तियों में करती हैं। आस्ति प्रबंधन कंपनियां म्यूचुअल फंड कंपनियों की निधि प्रबंध गतिविधियों का कार्यभार संभालती हैं। शुल्क लेकर आस्ति प्रबंधन कंपनियां सामान्यतः आम निवेशकों को उपलब्ध सुविधाओं की तुलना में और भी अधिक विविधता, चलनिधि और व्यावसायिक प्रबंध संबंधी परामर्शदात्री सेवाएं उपलब्ध कराती हैं। वे विभिन्न स्कीमों के माध्यम से निवेशकों से पैसा एकत्र करती हैं तथा ऐसी प्रतिभूतियों में निवेश करके, जिनका आपसे मे बहुत गहरा सहसंबंध नहीं है, पोर्टफोलिया में विविधता लाने का प्रयास करती हैं।

म्यूचुअल फंड कंपनियों से संबंधित 44 आस्ति प्रबंध कंपनियों ने 2010-11 के सर्वेक्षण में प्रतिक्रिया दी। इस अवधि के दौरान वित्तीय बाजार की गतिविधियों के अनुरूप, आस्ति प्रबंध कंपनियों की विदेशी देयताओं में 2009-10 के दौरान तीव्र वृद्धि (80.3 प्रतिशत वृद्धि) हुई किंतु 2010-11 में वृद्धि में कमी (2.9 प्रतिशत) हुई। संक्षेप में, आस्ति प्रबंध कंपनियों की विदेशी देयताओं में मार्च 2009 के ₹17.8 बिलियन से मार्च 2011 तक ₹32.9 बिलियन तक वृद्धि हुई। दूसरी तरफ, उनकी विदेशी आस्तियां मार्च 2011 में थोड़ी बढ़कर ₹1.5 बिलियन होने से पहले मार्च 2009 के ₹2.3 बिलियन से घटकर मार्च 2010 में 1.3 बिलियन हो गईं। विदेशी आस्ति प्रबंध कंपनियों विदेशी देयताओं में बहुत वृद्धि होने के कारण उनकी देयताओं में मार्च 2009 की ₹15.5 बिलियन से दोगुने से भी अधिक वृद्धि हुई और मार्च 2011 में यह ₹31.4 बिलियन हो गईं।

सारणी 7 : आस्ति प्रबंध कंपनियों की विदेशी देयताएं और आस्तियां

(₹ मिलियन)

म्यूचुअल फंड कंपनी	मार्च के अंत में			परिवर्तन			
				राशि		प्रतिशत	
	2009	2010	2011	2009-10	2010-11	2009-10	2010-11
1	2	3	4	5	6	7	8
विदेशी देयताएं	17,754	32,004	32,948	14,250	944	80.3	2.9
विदेशी आस्तियां	2,254	1,315	1,527	-939	212	-41.7	16.1
निवल देयताएं	15,500	30,689	31,421	15,189	732	98.0	2.4

(क) देश-वार विदेशी देयताएं

संदर्भ अवधि के दौरान, आस्ति प्रबंध कंपनियों की कुल विदेशी देयताओं के सर्वाधिक हिस्सा वाले देश के रूप में सिंगापुर ने मॉरिशस का का स्थान ले लिया जिसका ऐसी देनदारियों में हिस्सा एक चौथाई से अधिक था। सिंगापुर के प्रति आस्ति प्रबंध कंपनियों की विदेशी देयताएं मार्च 2009 में लगभग ₹1.0 बिलियन थीं जो से तेजी से बढ़कर मार्च 2011 में ₹8.5 बिलियन हो गईं जबकि मॉरिशस के संबंध में विदेशी देयताएं मार्च 2009 में ₹8.5 बिलियन थीं जो घटकर मार्च 2011 में ₹5.3 बिलियन रह गईं। मार्च 2011 में ऐसी देयताओं से संबंधित सिंगापुर (25.9 प्रतिशत), मॉरिशस (16.1 प्रतिशत), अमरीका (8.2 प्रतिशत) एवं जापान (7.1 प्रतिशत) के हिस्से अधिक रहे। विदेशी देयताओं के संबंध में जापान और लक्जमबर्ग की गणना 2010 से प्रारंभ हुई।अन्य की श्रेणी में ऐसे मामलों को शामिल किया गया है जिनमें व्यक्तिशः देश-वार अंशदान बहुत छोटा था अथवा ऐसे मामले जिनमें निवेशकों के देश की जानकारी नहीं दी गई थी (सारणी 8)।

(ख) देश-वार विदेशी आस्तियां

आस्ति प्रबंध कंपनियों की विदेशी आस्तियों में सिंगापुर का हिस्सा तेजी से बढ़ा और मार्च 2011 में ऐसे पोर्टफोलियो में सिंगापुर का हिस्सा आधे से भी अधिक था। अन्य देश गुर्नसे (16.6 प्रतिशत), मॉरिशस (8.7 प्रतिशत), संयुक्त अरब अमीरात (7.9 प्रतिशत), यूके (4.4 प्रतिशत) और मलेशिया (4.1 प्रतिशत) थे जिनका जिनका ऐसी आस्तियों में काफी हिस्सा था (सारणी 9)।

खंड-IV

आस्ति प्रबंध कंपनियों की पुनर्निवेशित आय

पुनर्निवेशित आय निवासी कंपनी की प्रतिधारित आय में विदेशी प्रत्यक्ष निवेशक का हिस्सा होती है, जो कंपनी के निवल लाभ/हानि और इसके वितरित लाभांशों के बीच का अंतर (ऋणात्मक अथवा धनात्मक) है। पुनर्निवेशत आय को भुगतान संतुलन के बही-खातों में दोहरी प्रविष्टि सिद्धांत के अंतर्गत निम्नानुसार रखा जाता है :

सारणी 8 : आस्ति प्रबंध कंपनियों की विदेशी देयताओं का देश-वार वितरण

(₹ मिलियन)

देश	मार्च के अंत में			परिवर्तन			
				राशि		प्रतिशत	
	2009	2010	2011	2009-10	2010-11	2009-10	2010-11
1	2	3	4	5	6	7	8
सिंगापुर	918 (5.2)	7,907 (24.7)	8,532 (25.9)	6,989	625	761.7	7.9
मॉरिशस	8,480 (47.8)	4,187 (13.1)	5,314 (16.1)	-4,293	1,127	-50.6	26.9
अमरीका	1,314 (7.4)	2,528 (7.9)	2,706 (8.2)	1,213	178	92.3	7.0
जापान	0 (0)	208 (0.7)	2,348 (7.1)	208	2,139	**	1,026.7
लक्जमबर्ग	0 (0)	3,378 (10.6)	2,057 (6.2)	3,378	-1,321	**	-39.1
यूनाइटेड किंगडम	224 (1.3)	1,680 (5.2)	2,016 (6.1)	1,456	336	649.4	20.0
चीन (मुख्य भाग) पीपुल्स रिपब्लिक	2,454 (13.8)	2,185 (6.8)	1,940 (5.9)	-269	-245	-10.9	-11.2
कनाडा	105 (0.6)	703 (2.2)	1,691 (5.1)	598	988	571.3	140.7
दक्षिण कोरिया	2,363 (13.3)	1,303 (4.1)	1,223 (3.7)	-1,060	-80	-44.9	-6.2
फ्रांस	304 (1.7)	937 (2.9)	1,027 (3.1)	632	90	208.0	9.7
अन्य	1,592 (9.0)	6,989 (21.8)	4,094 (12.4)	5,397	-2,895	339.0	-41.4
कुल जोड़	**17,754**	**32,004**	**32,948**	**14,250**	**944**	**80.3**	**2.9**

कोष्ठकों के आंकड़े कुल का प्रतिशत हिस्सा हैं। ** हर शून्य या नगण्य।

सारणी 9 : आस्ति प्रबंध कंपनियों की विदेशी आस्तियों का देशवार वितरण

(₹ मिलियन)

देश	मार्च के अंत में			परिवर्तन			
				राशि		प्रतिशत	
	2009	2010	2011	2009-10	2010-11	2009-10	2010-11
1	2	3	4	5	6	7	8
सिंगापुर	669 (29.7)	700 (53.3)	785 (51.4)	31	85	4.6	12.1
गुर्नसे	369 (16.4)	233 (17.7)	254 (16.6)	-136	21	-36.9	9.0
मॉरिशस	29 (1.3)	72 (5.4)	133 (8.7)	43	62	148.6	86.1
संयुक्त अरब अमीरात	0 (0)	0 (0)	121 (7.9)	0	121	**	**
यूनाइटेड किंगडम	44 (1.9)	78 (5.9)	66 (4.4)	35	-12	79.2	-15.0
मलेशिया	0 (0)	145 (11)	62 (4.1)	145	-83	**	-57.3
चीन (मुख्य भाग) पीपुल्स रिपब्लिक	33 (1.4)	20 (1.5)	21 (1.4)	-12	0	-37.9	1.8
अमरीका	80 (3.5)	0 (0)	13 (0.8)	-80	13	-100.0	**
अन्य	1,031 (45.7)	66 (5)	72 (4.7)	-964	6	-93.6	8.9
कुल	**2,254**	**1,315**	**1,527**	**-939**	**212**	**-41.7**	**16.1**

कोष्ठकों के आंकड़े कुल का प्रतिशत हिस्सा हैं। ** हर शून्य या नगण्य।

(क) किसी कंपनी की विदेशी सहायक, सहयोगी अथवा शाखा में प्रत्यक्ष निवेशकों के बढ़े हुए निवेश को परिलक्षित करने के लिए विदेशी प्रत्यक्ष निवेशकों के बढ़े हुए निवेश को परिलक्षित करने के लिए विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के एक हिस्से के रूप में इसे वित्तीय लेखों में शामिल करके, और (ख) चालू खाते में निवेश आय भुगतानों के रूप में दर्ज करके, प्रत्यक्ष निवेशकों की आय को इक्विटी निवेश के रूप में दिखाकर।

आस्ति प्रबंध कंपनियों की पुनर्निवेशित आय 2008-09 में ₹1,442 मिलियन थी जो 2009-10 में बढ़कर ₹2,389 मिलियन हो गई तथा 2010-11 में और बढ़कर ₹3,791 मिलियन हो गई, जिससे आस्ति निवेश कंपनियों के अधिक लाभ कमाने की जानकारी मिलती है।

खंड - V

निष्कर्ष

वैश्विक वित्तीय संकट से 2009-11 के दौरान भारतीय म्यूचुअल फंड एवं आस्ति प्रबंध कंपनियों की विदेशी आस्तियों और देयताओं में उल्लेखनीय उतार-चढ़ाव आए। म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी आस्तियों में 2009-10 के दौरान तेजी से वृद्धि हुई किंतु अगले वर्ष मार्च 2011 तक इनमें ₹42.9 बिलियन के स्तर तक कमी हुई। दूसरी तरफ, म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी आस्तियों में मार्च 2011 तक ₹213.9 बिलियन के कुछ सुधार आने के पहले 2009-10 में कमी आई। म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी देयताओं की तुलना में विदेशी आस्तियों का अनुपात मार्च 2011 में घटकर 20.1 प्रतिशत होने से पूर्व मार्च 2009 में 15.4 प्रतिशत था जो मार्च 2010 तक बढ़कर 27.2 प्रतिशत हो गया। आस्ति प्रबंध कंपनियों के साथ में म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी देयताओं को मिला देने पर यह उनकी विदेशी आस्तियों से काफी अधिक रही।

म्यूचुअल फंड कंपनियों की विदेशी देयताओं का प्रमुख कारण अनिवासियों को म्यूचुअल फंड यूनिटें जारी करना है। निवेश के बडे हिस्से के संबंध में देश के विस्तृत ब्यौरे प्राप्त नहीं होनें पर भी अंकित मूल्य और बाजार मूल्य -दोनों की दृष्टि से देशों की देयताओं में संयुक्त अरब अमीरात और अमरीका का हिस्सा सर्वाधिक रहा। आस्ति प्रबंध कंपनियों के मामले में विदेशी देयताओं और आस्तियों -दोनों में सिंगापुर का हिस्सा सर्वाधिक रहा।

म्यूचुअल फंड कंपनियों द्वारा विदेशी निवेश के संबंध में नीतियों के उदारीकरण के पश्चात, उनकी विदेशी आस्तियों में तेज वृद्धि हुई और ऐसी आस्तियों में पोर्टफोलियो आस्तियों का प्रमुख हिस्सा था। पोर्टफोलियो निवेश के अंतर्गत आस्तियां प्रमुख रूप से विदेशी म्यूचुअल फंड यूनिटों और इक्विटी निवेश के चलते थीं, विदेशी म्यूचुअल फंड यूनिटों का हिस्सा छोटा था और किसी भी म्यूचुअल फंड कंपनी ने विदेशों में ऋण प्रतिभूतियों में निवेश नहीं किया।

अनुबंध I

भारतीय रिज़र्व बैंक

विदेशी देयताओं और आस्तियों की वार्षिक विवरणी

(सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग, भा.रि.बैं., मुंबई के ए.पी. (डीआईआर श्रेणी) के परिपत्र सं. 45, दिनांक 15 मार्च 2011 के तहत भरी जाने वाली विवरणी)

कृपया विवरणी भरने से पहले दिशानिर्देश/परिभाषाएं सावधानी पूर्वक पढ़ लें।

खंड I : पहचान संबंधी विवरण

भा.रि.बैं. के प्रयोग के लिए

कंपनी कोड | | | | | |

1. भारतीय कंपनी का नाम और पता _____

_____

_____

शहर: _____ पिन: _____

राज्य: _____

2. कंपनी को आयकर के लिए आबंटित पैन नंबर:

3. कंपनी पंजीयक द्वारा जारी पंजीकरण सं.:

4. संपर्क व्यक्ति का नाम : _____ पदनाम: _____

दूरभाष सं. (एसटीडी कोड सहित): _____ फैक्स: _____ ई.मेल: _____

3. खाता बंद होने की तारीख: _____ (दिनांक/महीना/वर्ष) वैब-साईट (यदि कोई हो): _____

4. कंपनी के नाम और/या गतिविधियों में कोई परिवर्तन हुआ हो तो कंपनी के पुराने और नए नामों और गतिविधियों का उल्लेख करें:

कंपनी का पुराना नाम : _____ कंपनी का नया नाम _____

प्रभावी तारीख _____

पुरानी गतिविधियां: _____ नई गतिविधियां _____

5. कारोबार की प्रकृति : आपका कारोबार मुख्यत: जिस क्षेत्र का हो, कृपया उससे संबंधित गतिविधि समूह में टिक (√) करें और यदि संभव हो तो कोष्ठक में एनएईसी कोड का भी उल्लेख करें।

उद्योग	राजस्व (%)	उद्योग	राजस्व (%)	उद्योग	राजस्व (%)	उद्योग	राजस्व (%)
1. ऊर्जा ( )		2. विद्युत और इलैक्ट्रॉनिक्स ( )		3. गैर-वित्तीय सेवाएं ( )		4. वित्तीय सेवाएं ( )	
5. टेलीकाम ( )		6. होटल और पर्यटन ( )		7. धातुकर्मीय उद्योग और खनन ( )		8. खाद्य प्रसंस्करण उद्योग ( )	
9. परिवहन ( )		10. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस ( )		11. रसायन (खाद से इतर) ( )		12. निर्माण कार्य ( )	
13. सॉफ्टवेयर और आईटीईएस/बीपीओ ( )		14. फर्मास्यूटिकल ( )		15. अन्य ( )			

भा.रि.बैं. के प्रयोग के लिए

अनुबंध – I *(जारी)*

7. क्या आपकी कंपनी भारत में सूचीबद्ध है [कृपया टिक (√) करें]?

हां		नहीं	

8. क्या आपकी कंपनी का विदेश से गठबंधन है?
यदि हां, तो निम्नलिखित का उल्लेख करें (कृपया उचित विकल्प को टिक करें)

हां		नहीं	

(क) तकनीकी गठबंधन		(ख) वित्तीय गठबंधन (विदेशी इक्विटी का हिस्सा)		(ग) दोनों	

ब्लॉक 1 अ : भारतीय कंपनियों की कुल चुकता पूंजी

मद	पिछले वित्तीय वर्ष के मार्च अंत की स्थिति		पिछले वित्तीय वर्ष के मार्च अंत की स्थिति	
	शेयरों की संख्या	राशि ₹ लाख में	शेयरों की संख्या	राशि ₹ लाख में
1.0 कुल चुकता पूंजी [(i)+(ii)]				
(i) साधारण/इक्विटी शेयर				
(ii) प्राथमिकता वाले शेयर [(क)+(ख)]				
(क) सहभागी				
(ख) गैर-सहभागी				
2.0 गैर-निवासी इक्विटी धारिता				
1 व्यक्ति विशेष				
2 कंपनियां				
3 विदेशी संस्थागत निवेशक				
4 एफवीसीआई				
5 विदेशी ट्रस्ट				
6 निजी इक्विटी निधि				
7 पेंशन/भविष्य निधि				
8 सॉवरिन वेल्थ फंड (SWF)§				
9 साझेदारी/स्वामित्व वाली कंपनी				
10 वित्तीय संस्थाएं				
11 एनआरआई/पीआईओ				
12 अन्य (कृपया उल्लेख करें)				

ब्लॉक 1आ : शुल्क मुक्त आरक्षित राशि और अतिरेक तथा प्रतिधारित लाभ

मद	निम्नसूचित के मार्च के अंत में राशि ₹ लाख में	
	पिछला वित्तीय वर्ष	वर्तमान वित्तीय वर्ष
3.1 की समाप्ति पर शुल्क मुक्त एवं आरक्षित राशि और अतिरेक		
	राशि ₹ लाख में	
	पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान	वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान
3.2 करोत्तर लाभ (+)/हानि (-)		
3.3 घोषित लाभांश (लाभांश पर करों को छोड़कर)		
3.4 प्रतिधारित लाभ/हानि (3.4=3.2-3.3)		

अनुबंध – I *(जारी)*

खंड -II

विदेशी देयताएं

2. विदेशी प्रत्यक्ष निवेश योजना के तहत भारत में किए गए निवेश:

सूचीबद्ध कंपनियों के मामलों में इक्विटी का मूल्यांकन संदर्भ अवधि की अंतिम तारीख को शेयर मूल्यों के आधार पर की जानीचाहिए, जबकि गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के मामलों में स्वयं की निधियों से संबंधित बही-खातों में अंकित दर्शाई गई कीमतों के आधार पर गणना की जानी चाहिए *(विवरण के लिए संलग्न दिशानिर्देश देखें)*।

ब्लॉक 2अ : भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (10 प्रतिशत या अधिक इक्विटी का होना)

(कृपया यहां पर अनिवासी प्रत्यक्ष निवेशकों, जो रिपोर्ट करने की तारीख को आपकी कंपनी कें 10 प्रतिशत या अधिक साधारण/इक्विटी शेयर धारण करते हों, केद्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश योजना के अंतर्गत शेष निवेशों का विवरण दें।)

*यदि यह ब्लॉक **निरंक नहीं** है, तो कृपया भारत में आपके समनुषंगियों, यदि कोई हों के विवरण ब्लॉक 9 में दें।*

गैर-आवासीय कंपनी/व्यक्ति का नाम	पूंजी का प्रकार	गैर-निवासी निवेशक का देश	इक्विटी धारित (प्रतिश)	निम्नलिखित के अंत में राशि ₹ लाख में।		
				पिछले वित्त वर्ष में मार्च	वर्तमान वित्त वर्ष में दिसंबर	वर्तमान वित्त वर्ष में मार्च
	1.0 इक्विटी पूंजी (1.0 = 1.2-1.1)					
	1.1 प्रत्यक्ष निवेशक पर दावे					
	1.2 प्रत्यक्ष निवेशक के प्रति देयताएं					
	2.0 अन्य पूंजी(2.0 = 2.2-2.1)					
	2.1 प्रत्यक्ष निवेशक पर दावे					
	2.2 प्रत्यक्ष निवेशक के प्रति देयताएं					
	3.0 वर्ष के दौरान भारत में विनिवेश					

नोट : (i) यदि निवेशक कोई कंपनी हो, तो देश उस कंपनी का निगमन करने वाले देश को माना जाएगा।
(ii) कृपया भिन्न-भिन्न अनिवासी कंपनियों/व्यक्तियों की रिपोर्टिंग के लिए समान प्रपत्र का उपयोग अलग-अलग शीट पर किया जाए।

ब्लॉक 2बी: भारत में विदेश प्रत्यक्ष निवेश (10 प्रतिशत से कम इक्विटी धारिता)

(कृपया यहां पर अनिवासी प्रत्यक्ष निवेशकों, जो रिपोर्ट करने की तारीख को आपकी कंपनी कें 10 प्रतिशत या अधिक साधारण/इक्विटी शेयर धारण करते हों, के द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश योजना के अंतर्गत शेष निवेशों का विवरण दें।)

गैर-आवासीय कंपनी/व्यक्ति का नाम	पूंजी का प्रकार	गैर-निवासी निवेशक का देश	इक्विटी धारित (प्रतिश)	निम्नलिखित के अंत में राशि ₹ लाख में।		
				पिछले वित्त वर्ष में मार्च	वर्तमान वित्त वर्ष में दिसंबर	वर्तमान वित्त वर्ष में मार्च
	1.0 इक्विटी पूंजी (1.0 = 1.2-1.1)					
	1.1 प्रत्यक्ष निवेशक पर दावे					
	1.2 प्रत्यक्ष निवेशक के प्रति देयताएं					
	2.0 अन्य पूंजी(2.0 = 2.2-2.1)					
	2.1 प्रत्यक्ष निवेशक पर दावे					
	2.2 प्रत्यक्ष निवेशक के प्रति देयताएं					
	3.0 वर्ष के दौरान भारत में विनिवेश					

नोट : (i) यदि निवेशक कोई कंपनी हो, तो देश उस कंपनी का निगमन करने वाले देश को माना जाएगा।
(ii) कृपया भिन्न-भिन्न अनिवासी कंपनियों/व्यक्तियों की रिपोर्टिंग के लिए समान प्रपत्र का उपयोग अलग-अलग शीट पर किया जाए।

अनुबंध – I *(जारी)*

3. अनिवासियों के पोर्टफोलियो और अन्य देयताएं (अर्थात असंबद्ध पार्टियों के बीच स्थिति)

ब्लॉक 3अ : पोर्टफोलियो निवेश

कृपया यहां पर अनिवासी निवेशकों द्वारा **भारत में पोर्टफोलियो निवेश योजना** के अंतर्गत किए गए बकाया निवेश का उल्लेख करें। सूचीबद्ध कंपनियों के मामलों में इक्विटी का मूल्यांकन संदर्भ अवधि की अंतिम तारीख को शेयर मूल्यों के आधार पर की जानी चाहिए, जबकि गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के मामलों में स्वयं की निधियों से संबंधित बही-खातों में अंकित दर्शाई गई कीमतों के आधार पर गणना की जानी चाहिए *(विवरण के लिए संलग्न दिशानिर्देश देखें)*।

पोर्टफोलियो निवेश	अनिवासी निवेशक का देश	निम्नलिखित के अंत में राशि ₹ लाख में	
		पिछले वित्त वर्ष में मार्च	वर्तमान वित्त वर्ष में मार्च
1.0 इक्विटी सिक्यूरिटी			
2.0 ऋण सिक्यूरिटी (2.0 = 2.1+2.2)			
2.1 बांड और नोट (एक वर्ष से अधिक की मूल परिपक्वता)			
2.2 मुद्रा बाजार के लिखत (मूल परिपक्वता 1 वर्ष तक)			
3.0 वर्ष के दौरान भारत में विनिवेश			

नोट: प्रत्येक प्रकार के आंकड़ों से प्राप्त सूचना को देश-वार समेकित किया जाना है। यदि विशेष प्रकार के निवेश के आंकड़े अधिक देशों से रिपोर्ट किए जा रहे हों तो इसके लिए एक समान प्रपत्र का उपयोग अलग-अलग शीट पर किया जाए।

ब्लॉक 3आ: वित्तीय डेरीवेटिव (सिर्फ अनिवासी संस्थाओं के लिए)

कृपया यहां पर अनिवासियों के साथ किए गए वित्तीय डेरिवेटिव करार के परिणामस्वरूप बकाया विदेशी देयताओं की जानकारी दें।

वित्तीय डेरीवेटिव	अनिवासी निवेशक का देश	निम्नलिखित के अंत में राशि ₹ लाख में	
		पिछले वित्त वर्ष में मार्च	वर्तमान वित्त वर्ष में मार्च
(i) आनुमानिक मूल्य			
(ii) बाजार मूल्य का स्तर			

नोट: यदि विशेष प्रकार के निवेश के आंकड़े अधिक देशों से रिपोर्ट किए जा रहे हों तो इसके लिए एक समान प्रपत्र का उपयोग अलग-अलग शीट पर किया जाए।

ब्लॉक 3सी : अन्य निवेश :

यह अवशिष्ट श्रेणी है जिसमें प्रत्यक्ष निवेश या पोर्टफोलियो निवेश में नहीं शामिल किए गए सभी वित्तीय बकाया शामिल किए जाते हैं। **(असंबद्ध पार्टियों की बकाया देनदारियां)**।

अन्य निवेश	अनिवासी उधारदाता का देश	निम्नलिखित के अंत में राशि ₹ लाख में	
		पिछले वित्त वर्ष में मार्च	पिछले वित्त वर्ष में मार्च
4.0 व्यापार जमा (4.0 = 4.1+4.2)			
4.1 अल्पावधि (4.1= 4.1.1+4.1.2)			
4.1.1. 6 महीने तक			
4.1.2. 6 महीने से एक वर्ष			
4.2 दीर्घावधि			
5.0 ऋण (5.0 = 5.1+5.2)			
5.1 अल्पावधि			
5.2 दीर्घावधि			

अनुबंध – I *(जारी)*

अन्य निवेश	अनिवासी उधारदाता का देश	निम्नलिखित के अंत में राशि ₹ लाख में	
		पिछले वित्त वर्ष में मार्च	पिछले वित्त वर्ष में मार्च
6.0 अन्य देयताएं (6.0 = 6.1+6.2)			
6.1 अल्पावधि (1 वर्ष तक)			
6.2 दीर्घावधि			

नोट : (i) प्रत्येक प्रकार के आंकड़ों से प्राप्त सूचना को देश-वार आधार पर समेकित किया जाना है। यदि विशेष प्रकार के निवेश के आंकड़े अधिक देशों से रिपोर्ट किए जा रहे हों तो इसके लिए एक समान प्रपत्र का उपयोग अलग-अलग शीट पर किया जाए।

(ii) मद 5.0 में, अनिवासी पैतृक कंपनी से लिए गए लोन से भिन्न ईसीबी लोन को शामिल किया जाना चाहिए। विदेश स्थित पैक कंपनी से लिए गए ईसीबी ऋणों को ब्लॉक 2 अ के अंतर्गत अन्य पूंजी में दिखाया जाना चाहिए।

खंड –III
विदेशी आस्तियां

1. कृपया **लाख रुपयों में विदेशी आस्तियों** की रिपोर्ट करने के समय रिपोर्टाधीन वर्ष के **मार्च अंत/दिसंबर अंत की विनिमय दर** (जो लागू हो) का प्रयोग किया जाए।

2. विदेशी कंपनी के सूचीबद्ध होने की स्थिति में इक्विटी का मूल्यांकन संदर्भ अवधि की अंतिम तिथि को शेयर मूल्य के आधार पर किया जाए। गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के मामलों में स्वयं की निधियों से संबंधित बही-खातों में अंकित दर्शाई गई कीमतों के आधार पर गणना की जानी चाहिए *(विवरण के लिए संलग्न दिशानिर्देश देखें)।*

ब्लॉक 4 : विदेशों में प्रत्यक्ष निवेश योजना के तहत विदेशों में प्रत्यक्ष निवेश

ब्लॉक 4अ : विदेशों में प्रत्यक्ष निवेश (10 प्रतिशत या अधिक की इक्विटी धारिता)

कृपया यहां पर **विदेशों में प्रत्यक्ष निवेश योजना के तहत** गैर-निवासी उद्यमों (प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों) में, जिनमें से प्रत्येक में आपकी कंपनी रिपोर्ट की तारीख को 10 प्रतिशत या अधिक इक्विटी शेयर धारित करती हो, आपके बकाया निवेश का उल्लेख करें। यदि ब्लॉक **निरंक नहीं** हो तो कृपया ब्लॉक 6 में सूचना प्रस्तुत करें।

अनिवासी प्रत्यक्ष निवेश उद्यम का नाम	पूंजी का प्रकार	अनिवासी प्रत्यक्ष निवेश उद्यम का देश	इक्विटी धारिता	निम्नलिखित के अंत में राशि लाख ₹ में		
				पिछले वित्त वर्ष में मार्च	वर्तमान वित्त वर्ष में दिसंबर	वर्तमान वित्त वर्ष में मार्च
	1.0 इक्विटी पूंजी (1.0 = 1.1-1.2)					
	1.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यम पर दावे					
	1.2 प्रत्यक्ष निवेश उद्यम के प्रति देयताएं					
	2.0 अन्य पूंजी(2.0 = 2.1-2.2)					
	2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यम पर दावे					
	2.2 प्रत्यक्ष निवेश उद्यम के प्रति देयताएं					
	3.0 वर्ष के दौरान विदेशों में किया गया विनिवेश					

नोट: कृपया भिन्न-भिन्न प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों की रिपोर्ट करने के लिए उक्त प्रपत्र की अलग-अलग शीट प्रयोग करें।

अनुबंध – I *(जारी)*

ब्लॉक 4बी : विदेशों में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (10 प्रतिशत से कम इक्विटी धारिता)

कृपया यहां पर विदेशों में प्रत्यक्ष निवेश योजना के तहत गैर-निवासी उद्यमों (प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों) में, जिनमें से प्रत्येक में **आपकी कंपनी रिपोर्ट की तारीख को 10 प्रतिशत या अधिक** इक्विटी शेयर धारित करती हो, आपके बकाया निवेश का उल्लेख करें।

अनिवासी प्रत्यक्ष निवेश उद्यम का नाम	पूंजी का प्रकार	अनिवासी प्रत्यक्ष निवेश उद्यम का देश	निम्नलिखित के अंत में राशि ₹ लाख में		
			पिछले वित्त वर्ष में मार्च	वर्तमान वित्त वर्ष में दिसंबर	वर्तमान वित्त वर्ष में मार्च
	1.0 इक्विटी पूंजी (1.0 = 1.1-1.2)				
	1.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यम पर विदेशों में दावे				
	1.2 प्रत्यक्ष निवेश उद्यम के प्रति विदेशों में देयताएं				
	2.0 अन्य पूंजी (2.0 = 2.1-2.2)				
	2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यम पर विदेशों में दावे				
	2.2 प्रत्यक्ष निवेश उद्यम के प्रति विदेशों में देयताएं				
	3.0 वर्ष के दौरान विदेशों में किया गया विनिवेश				

नोट: कृपया भिन्न-भिन्न सह-उद्यमों की रिपोर्ट करने के लिए उक्त प्रपत्र की अलग-अलग शीट प्रयोग करें।

विदेशों में पोर्टफोलियो तथा अन्य आस्तियां (अर्थात् असंबद्ध पार्टियों के संबंध में स्थिति)

ब्लॉक 5अ : विदेशों में पोर्टफोलिया निवेश

1. कृपया यहां पर भारत में विदेशों में **प्रत्यक्ष निवेश योजना के तहत निवेश करने वाली कंपनियों को छोड़कर** अनिवासी उद्यमों के बकाया निवेश का उल्लेख करें।

2. विदेशी कंपनी के सूचीबद्ध होने की स्थिति में इक्विटी का मूल्यांकन संदर्भ अवधि की अंतिम तिथि को शेयर मूल्य के आधार पर किया जाए। गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के मामलों में स्वयं की निधियों से संबंधित बही-खातों में अंकित दर्शाई गई कीमतों के आधार पर गणना की जानी चाहिए *(विवरण के लिए संलग्न दिशानिर्देश देखें)*।

पोर्टफोलियो निवेश	अनिवासी प्रत्यक्ष निवेश उद्यम का देश	निम्नलिखित के अंत में राशि ₹ लाख में		
		पिछले वित्त वर्ष में मार्च	वर्तमान वित्त वर्ष में दिसंबर	वर्तमान वित्त वर्ष में मार्च
1.0 इक्विटी सिक्यूरिटी				
2.0 ऋण सिक्यूरिटी (2.0=2.1+2.2)				
2.1 बांड और नोट (मूल परिपक्वता अवधि 1 वर्ष से अधिक)				
2.2 मुद्रा बाजार के लिखत (मूल परिपक्वता अवधि एक वर्ष तक)				
3.0 वर्ष के दौरान विदेशों में किया गया विनिवेश				

नोट: प्रत्येक प्रकार के निवेश से संबंधित आंकड़ों की सूचना देश-वार समेकित की जानी है। यदि निवेश के विशेष प्रकार एक से अधिक देशों में पाए जाते हैं तो इसकी रिपोर्ट उक्त प्रपत्र का प्रयोग करते हुए अलग-अलग शीटों पर की जानी चाहिए।

अनुबंध – I *(जारी)*

ब्लॉक 5 आ : वित्तीय डेरीवेटिव (सिर्फ अनिवासी संस्थाओं के साथ)

कृपया यहां पर **अनिवासियों के साथ किए गए** वित्तीय डेरिवेटिवों के लेखों के करार के कारण अनिवासियों पर बकाया दावों का उल्लेख करें।

वित्तीय डेरीवेटिव	अनिवासी उद्यम का देश	निम्नलिखित के अंत में राशि ₹ लाख में।	
		पिछले वित्त वर्ष में मार्च	वर्तमान वित्त वर्ष में मार्च
(i) आनुमानिक मूल्य			
(ii) बाजार मूल्य का स्तर			

नोट: यदि विशेष प्रकार के निवेश के एक से अधिक देशों में किए गए हों तो इसके लिए एक समान प्रपत्र का उपयोग अलग-अलग शीट पर किया जाए।

ब्लॉक 5इ : अन्य निवेश (असंबद्ध पार्टियों पर बकाया दावे):

यह अवशिष्ट श्रेणी है जिसमें प्रत्यक्ष निवेश या पोर्टफोलियो निवेश नहीं माने जाने वाले सभी वित्तीय बकाया दावे शामिल किए जाते हैं।

अन्य निवेश	अनिवासी उद्यम का देश	निम्नलिखित के अंत में राशि ₹ लाख में।	
		पिछले वित्त वर्ष में मार्च	वर्तमान वित्त वर्ष में मार्च
4.0 व्याबार शेष (4.0=4.1+4.2)			
4.1 अल्पावधि (4.1=4.1.1+4.1.2)			
4.1.1. 6 महीने तक			
4.1.2. 6 महीने से एक वर्ष			
4.2 दीर्घावधि			
5.0 ऋण (5.0=5.1+5.2)			
5.1 अल्पावधि (एक वर्ष तक)			
5.2 दीर्घावधि			
6.0 अन्य आस्तियां (6.0=6.1+6.2)			
6.1 मुद्रा और जमा			
6.2 अन्य			

नोट: प्रत्येक प्रकार के निवेश से संबंधित आंकड़ों की सूचना देश-वार समेकित की जानी है। यदि निवेश के विशेष प्रकार एक से अधिक देशों में पाए जाते हैं तो इसकी रिपोर्ट उक्त प्रपत्र का प्रयोग करते हुए अलग-अलग शीटों पर की जानी चाहिए।

ब्लॉक 6 : इक्विटी पूंजी, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों की शुल्क मुक्त आरक्षित निधि और अतिरेक

(कृपया यहां पर उन अनिवासी उद्यमों, जिनमें रिपोर्ट करने की तारीख को **आपकी कंपनी के 10 प्रतिशत या अधिक** शेयर धारण करते हों, की कुल इक्विटी, **आपकी कंपनी द्वारा धारित इक्विटी** और कुल करमुक्त आरक्षित निधियों और अतिरेकों का विवरण दें।)

यदि यह ब्लॉक निरंक नहीं है तो कृपया संबंधित जानकारी ब्लॉक 4ए में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

प्रत्यक्ष निवेश उद्यम का नाम	मद	मुद्रा	निम्नलिखित के अंत में राशि विदेशी मुद्रा में।	
			पिछले वित्त वर्ष में मार्च	वर्तमान वित्त वर्ष में मार्च
	1. प्रत्यक्ष निवेश उद्यम की कुल इक्विटी			
	2. आपके द्वारा धारित प्रत्यक्ष निवेश उद्यम की इक्विटी			

अनुबंध – I *(जारी)*

प्रत्यक्ष निवेश उद्यम का नाम	मद	मुद्रा	निम्नलिखित के अंत में राशि विदेशी मुद्रा में।	
			पिछले वित्त वर्ष में मार्च	वर्तमान वित्त वर्ष में मार्च
	3. प्रत्यक्ष निवेश उद्यम की शुल्क मुक्त आरक्षित निधि और अतिरेक			
	4. **वर्ष के दौरान** आपको प्राप्त हुए लाभांश			
	5. वर्ष के दौरान प्रत्यक्ष निवेश उद्यम द्वारा प्रतिधारित आपके लाभ की राशि			

टिप्पणी: यदि आपकी कंपनी एक से अधिक प्रत्यक्ष निवेश उद्यम में प्रत्यक्ष निवेशक हो तो ऐसे प्रत्येक प्रत्यक्ष निवेश उद्यम से संबंधित आंकड़े समान प्रपत्र में अलग-अलग शीटों में प्रस्तुत किए जाएं।

ब्लॉक 7 : आकस्मिक विदेशी देयताएं

(कृपया यहां पर आपकी कंपनी की आकस्मिक विदेशी देयताओं के संबंधित विवरणों का उल्लेख करें।)

आकस्मिक देयताओं के विवरण	देश	मुद्रा#	निम्नलिखित के अंत में राशि विदेशी मुद्रा में (वास्तविक)	
			पिछले वित्त वर्ष में मार्च	वर्तमान वित्त वर्ष में मार्च
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

नोट: # आकस्मिक विदेशी देयताओं की मुद्रा के मूल्य वर्ग का उल्लेख कॉलम 3 में किया जाए। अनुबंध में आकस्मिक देयताओं के दिए गए विवरणों का संदर्भ लें।

ब्लॉक 8 : रिपोर्ट करने वाली भारतीय कंपनी के कर्मचारियों के विवरण

	मार्च के अंत में	
	पिछला वित्त वर्ष	वर्तमान वित्त वर्ष
पेरौल में दर्ज कर्मचारियों की संख्या		

ब्लॉक 9 : भारत में आपके अनुषंगी कंपनी/कंपनियों का/के नाम और पता/पते

क्र.सं.	भारत में अनुषंगी का नाम*	अनुषंगी कंपनी में आपकी इक्विटी धारिता प्रतिशत में	पते	वर्तमान वित्त वर्ष में आपकी अनुषंगी कंपनी द्वारा धारित लाभ/हानि (राशि ₹ लाख में)

अनुबंध – I *(जारी)*

अनुसूची 4

(म्यूचुअल फंड कंपनी द्वारा भरा जाए)

कृपया इस अनुसूची को भरने से पहले निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ लें।

पहचान संबंधी विवरण

1. कंपनी का नाम : _____

_____

भा.रि.बैं. के प्रयोग के लिए

कंपनी कोड

2. पंजीकृत पता : _____

शहर : _____ राज्य : _____

पिन : _____

3. खाता बंद करने की तारीख (दिनांक/महीना/वर्ष) : _____
4. संपर्क व्यक्ति का नाम : _____ पदनाम : _____
5. दूरभाष सं. (एसटीडी कोड सहित) : _____ फैक्स : _____
6. ई.मेल : _____
7. कंपनी के नाम और/या गतिविधियों में कोई परिवर्तन हुआ हो तो कंपनी के पुराने और नए नामों और गतिविधियों का उल्लेख करें:

कंपनी का पुराना नाम _____ कंपनी का नया नाम _____

प्रभावी तारीख (दिनांक/महीना/वर्ष)_____

अनुबंध – I *(जारी)*

ब्लॉक 1 : अनिवासियों को आबंटित और बकाया यूनिटें

राशि लाख रुपयों में

क्र. सं.	यूनिट धारक के निवास का देश		31 मार्च 2010 को अंकित मूल्य		31 मार्च 2010 को अनिवासी धारिताओं का बाजार मूल्य
	विवरण	भारिबैं के उपयोग के लिए	अनिवासी धारिताओं का अंकित मूल्य (क)	यूनिट प्रीमियम रिजर्व (ख)*	
	कुल →				

राशि लाख रुपयों में

क्र. सं.	यूनिट धारक के निवास का देश		31 मार्च 2011 को अंकित मूल्य		31 मार्च 2011 को अनिवासी धारिताओं का बाजार मूल्य
	विवरण	भारिबैं के उपयोग के लिए	अनिवासी धारिताओं का अंकित मूल्य (क)	यूनिट प्रीमियम रिजर्व (ख)*	
	कुल →				

*** (ख) = यूनिटों का आबंटन या जारी करने का मूल्य में से यूनिटों के अंकित मूल्य (क) को घटाकर।**

टिप्पणी : (1) मूल्यांकन के लिए बाजार मूल्य को निम्नलिखित से संबद्ध किया जाए

i) संदर्भ तारीखों (31/03/2010 एवं 2011) केअंत में स्टॉक बाजार की खरीद एवं बिक्री के बीच के मूल्य को लिया जाए। यदि संदर्भ तारीखों को बाजार बंद थे तो पिछले कार्यदिवस के मूल्यों को प्रयोग किया जाए।

ii) बाजार मूल्य उपलब्ध नहीं हो तो, संदर्भ तारीखों को प्रति लिखत निवल आस्ति मूल्य को प्रयोग किया जाए।

(2) ऐसी सभी योजनाओं को कवर किया जाए जहां अनिवासी (व्यक्ति, कंपनी एवं सहयोगी) सहभागिता के लिए पात्र हों।

योजना-वार आंकड़े देना आवश्यक नहीं है। ऐसी सभी योजनाओं को समग्र रूप से रिपोर्ट किया जाना चाहिए।

(3) **यदि सभी आंकड़ों की रिपोर्ट के लिए ब्लॉक अपर्याप्त हो तो कृपया इसी प्रपत्र में अतिरिक्त शीट/शीटों का प्रयोग करें।**

अनुबंध – I *(जारी)*

ब्लॉक 2 : अन्य विदेशी देयताएं

(कृपया यहां पर म्यूचुअल फंड, जैसे भुगतान नहीं की गई आय/अनिवासियों को लाभांश का वितरण, बिक्री आगम जिनकी प्रतिपूर्ति शेष हो आदि के कारण उत्पन्न विदेशी देयताओं को सूचित करें)

क्र. सं.	देयताओं के विवरण (कृपया अनुदेश सं. 3 देखें)	जमाकर्ता के निवास का देश		मूल्यवर्ग की मुद्रा		31 मार्च 2010 की स्थिति में		31 मार्च 2011 की स्थिति में	
		विवरण	भा.रि.बैं. के प्रयोग के लिए	विवरण	भा.रि.बैं. के प्रयोग के लिए	विदेशी मुद्रा में राशि (वास्तविक)	राशि रुपयों में (लाख)	विदेशी मुद्रा में राशि (वास्तविक)	राशि रुपयों में (लाख)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
कॉलम 8 और 10 को जोड़ दर्शाएं →						xxxxxxxx		xxxxxxxx	

अनुबंध – I *(समाप्त)*

ब्लॉक 3 : अन्य विदेशी आस्तियां

(कृपया यहां पर इक्विटी में निवेश, ऋण सिक्यूरिटी, विदेश में म्यूचुअल फंड यूनिटें, विदेश में धारित जमा राशि आदि के कारण विदेशी आस्तियों को सूचित करें।)

क्र. सं.	देयताओं के विवरण (कृपया अनुदेश सं. 3 देखें)	जमाकर्ता के निवास का देश		मूल्यवर्ग की मुद्रा		31 मार्च 2010 की स्थिति में		31 मार्च 2011 की स्थिति में	
		विवरण	भा.रि.बैं. के प्रयोग के लिए	विवरण	भा.रि.बैं. के प्रयोग के लिए	विदेशी मुद्रा में राशि (वास्तविक)	राशि रुपयों में (लाख)	विदेशी मुद्रा में राशि (वास्तविक)	राशि रुपयों में (लाख)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
कॉलम 8 और 10 को जोड़ दर्शाएं →						xxxxxxxx		xxxxxxxx	

प्रमाण-पत्र

इसके द्वारा हम प्रमाणित करते हैं कि इस अनुसूची में प्रस्तुत सभी तथ्य और आंकड़े कंपनी की वास्तविक स्थिति को दर्शाते हैं और इनको अनुसूची के सभी ब्लॉकों के सभी मदों को समझकर रिपोर्ट किया गया है।

स्थान :

प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर और नाम

दिनांक :

कंपनी की सील/मुहर

अनुबंध – II

2010-2011 में एफएलएएस पर प्रतिक्रिया देने वाली म्यूचुअल फंड कंपनियों की सूची

1	एआईजी ग्लोबल इन्वेसटमेंट ग्रुप म्यूचुअल फंड
2	एक्सिस म्यूचुअल फंड
3	बडौदा पायोनीयर म्यूचुअल फंड
4	बैंचमार्क म्यूचुअल फंड
5	भारती एक्सा म्यूचुअल फंड
6	बिरला सन लाइफ म्यूचुअल फंड
7	बीएनपी परिबास म्यूचुअल फंड
8	कैनरा रोबेको म्यूचुअल फंड
9	दाइवा म्यूचुअल फंड
10	ड्यूत्शे म्यूचुअल फंड
11	डीएसपी ब्लैकरॉक म्यूचुअल फंड
12	इडेल्वेइस म्यूचुअल फंड
13	एस्कॉर्ट म्यूचुअल फंड
14	फिडेलिटी म्यूचुअल फंड
15	फ्रैंकलिन टैंप्लेटॉन म्यूचुअल फंड
16	गोल्डमैन साच्स म्यूचुअल फंड
17	एचडीएफसी म्यूचुअल फंड
18	एचएसबीसी म्यूचुअल फंड
19	आईसीआईसीआई प्रुडैंसियल म्यूचुअल फंड
20	आईडीबीआई म्यूचुअल फंड
21	आईडीएफसी म्यूचुअल फंड
22	आईएनजी म्यूचुअल फंड
23	जेएम फाइनेंसियल म्यूचुअल फंड
24	जेपी मॉरगन म्यूचुअल फंड
25	कोटक महिंद्रा म्यूचुअल फंड
26	एल एंड टी म्यूचुअल फंड
27	एलआईसी नोमुरा म्यूचुअल फंड
28	मिराइ असेट म्यूचुअल फंड
29	मॉरगन स्टैनले म्यूचुअल फंड
30	मोतिलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड
31	पीयरलैस म्यूचुअल फंड
32	प्रामेरिका म्यूचुअल फंड
33	प्रिंसिपल म्यूचुअल फंड
34	क्वांटम म्यूचुअल फंड
35	रिलायंस म्यूचुअल फंड
36	रेलिगारे म्यूचुअल फंड
37	सहारा म्यूचुअल फंड
38	एसबीआई म्यूचुअल फंड
39	श्रीराम म्यूचुअल फंड
40	सुंदरम म्यूचुअल फंड
41	टाटा म्यूचुअल फंड
42	टॉरस म्यूचुअल फंड
43	यूनियन केबीसी म्यूचुअल फंड
44	यूटीआई म्यूचुअल फंड